Code: PQRS Printed Page: 3

SHASTRI/B.A. PART- I EXAMINATION, 2024

HINDI SAHITYA

LIBRARY COPY

PAPER –VI(HIN / 2101)

हिन्दी साहित्य – I

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part- A

Note- सभी दस प्रश्न करने अनिवार्य है।

शब्द-सीमा- 50 शब्द

अंक- 10X2

Q.1 आदिकाल के लौकिक काव्य से संबंधित एक रचना का उल्लेख कीजिए।

Q.2 विद्यापति ने अपना कौनसा ग्रंथ मैथिली भाषा में लिखा है ?

Q.3 आदिकाल की रासो-काव्य परम्परा के दो ग्रंथों का नाम लिखिए ?

Q.4 'भरतेश्वर बाहुबलि रास' के रचयिता का नाम लिखिए?

Q.5 सिद्धों की संख्या कितनी है?

Q.6 'गोरखनाथ' प्रणीत किसी एक ग्रंथ का नाम लिखिए।

Q.7 कबीर के पदों और बानियों का संग्रह किस ग्रंथ में हुआ है?

Q. 8 कबीर की काव्य-भाषा कौनसी है?

Q.9 बीसलदेव रासों में कौनसा रस प्रधान है?

Q. 10 बीसलदेव रासो की नायिका का क्या नाम है ?

Q.11 जायसी निर्गुण धारा की किस शाखा के कवि हैं?

Q. 12 मीरां कृष्ण की उपासना किस रूप में करती है ?

Q. 13 ' ढोला मारू रा दूहा ', का प्रधान रस कौनसा है?

Q.14 'दुलहिन गावहु मंगलाचार'. कबीर के इस पद में रगस्यवाद का कौनसा रूप अभिव्यक्त हुआ है?

Q.15 बैठि-बैठि, सींचि-सींचि में कौनसा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

Part- B

Note- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

शब्द-सीमा- 200 शब्द

अंक- 5X10

1. पही भमंता जइ मिलइ, तउ प्री आखे भाय।
जोबण बंधन तोड़सइ, बंधण घातउ आय।।
अथवा
पंथी एक संदेसड़उ, लग ढोलइ पैहच्चाइ।
जोबन खीर समुद्र हुइ,रतन ज काढ़इ आइ।।

2. बिरह-भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ ।
राम-बियोग ना जिबै जिवै तो बौरा होइ ॥
अथवा
जौ रोऊँ तौ बल घटै, हँसौं तो राम रिसाइ ।
मन ही माहिं बिसूरणा, ज्यूँ घुँण काठहिं खाइ ॥

3. जबहि दीप नियरावा जाई । जनु कबिलास नियर भा आई ॥
घन अमराउ लाग चहुँ पासा । उठा भूमि हुत लागि अकासा ॥
तरिवर सबै मलयगिरि लाई । भइ जग छाँह रैनि होइ आई ॥
मलय-समीर सोहावन छाहाँ । जेठ जाड लागै तेहि माहाँ ॥
अथवा
मानसरोदक बरनौं काहा । भरा समुद अस अति अवगाहा ॥
पानि मोती अस निरमल तासू । अमृत आनि कपूर सुबासू ॥
लंकदीप कै सिला अनाई । बाँधा सरवर घाट बनाई ॥
खँड खँड सीढी भई गरेरी । उतरहिं चढहिं लोग चहुँ फेरी ॥

4. माई री म्हा लियाँ गोविन्दाँ मोल ॥ टेक ॥
थें कह्याँ छारगे म्हाँ काँ चौड्डे लियाँ बजन्ताँ ढोल ।
थें कहाँ मुहोंघो म्हाँ कहाँ सस्तो, लिया री तराजाँह तोल ।
तण वाराँ म्हाँ जीवण वाराँ, वाराँ अमोलक मोल ।
मीरा कूँ प्रभु दरसण दीज्याँ, पूरव जन्म को कोल ॥
अथवा
सखी री मैं तो गिरधर के रंग राती।
पंचरंग मेरा चोला रंगा दे, मैं झुरमुट खेलन जाती
झुरमुट में मेरा साई मिलेगा, खोल अडम्बर गाँती ।
पवन पानी दोनों ही जायेंगे, अटल रहे अविनासी ।
सुरत निरत का दिवला संजोलै, मनसा की कर बाती ।

5. मानुस हौं तो वही रसखान, बसौं मिलि गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पसु हौं तो कहा बस मेरो, चरौं नित नंद की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को, जो धर्यो कर छत्र पुरंदर कारन।
जो खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदीकूल कदम्ब की डारन॥

अथवा

सेष, गनेस, महेस, दिनेस, सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं।
जाहि अनादि अनंत अखंड अछेद अभेद सुबेद बतावैं।
नारद से सुक ब्यास रहैं पचि हारे तऊ पुनि पार न पावैं।
ताहि अहीर की छोहरियाँ छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं।।

6. विद्यापति के काव्य सौन्दर्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
7. बीललदेल रासो के काव्य पक्ष पर टिप्पणी लिखिए
8. ढोला मारू रा दूहा की काव्य-भाशा पर टिप्पणी लिखिए।
9. रसखान की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।
10. जायसी के काव्य- पक्ष की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Part-C

Note- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

शब्द-सीमा- 300 शब्द

अंक- 2X15

1. लोककाव्य के लक्षणों के आधार पर ढोला मारू रा दूहा की विवेचना कीजिए।
2. आदिकाल की प्रवृत्तियों एवं उसकी समस्याओं को रेखांकित करते हुए लेख लिखिए।
3. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग है। इस कथन की समीक्षा मध्यकाल की प्रवृत्तियों को विवेचित करते हुए कीजिए।
4. जायसी का पद्मावत श्रेष्ठ विरह काव्य है, समझाइए।

SHASTRI/B.A. PART- I EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

HINDI SAHITYA

PAPER – II (HIN / 2102)

Hindi Sahitya -II

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

सप्रसंग व्याख्या कीजिए : – (प्रत्येक व्याख्या हेतु अंक भार– 9 अंक एवं शब्द सीमा– 250 शब्द) (4 x 9 = 36)

Q.1 मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्मभर की घटनाएं एक–एक करके सामने आती हैं। सारे दृश्यों के रंग साफ होते हैं, समय की धुंध बिल्कुल उन पर से हट जाती है। लहना सिंह बारह वर्ष का है। अमृतसर में मामा के यहाँ आया हुआ है। दहीवाले के यहाँ, सब्जीवाले के यहाँ, हर कहीं उसे आठ साल की लड़की मिल जाती है। जब वह पूछता है कि तेरी कुड़माई हो गई? तब वह 'धत् कहकर भाग जाती है।

अथवा

वह शराब का अद्धा लेना भूलकर मिठाई–पूरी खरीदने लगा। नमकीन लेना भी न भूला। पूरा एक रुपये का सामान लेकर वह दुकान से हटा। जल्द पहुँचने के लिए एक तरह से दौड़ने लगा। अपनी कोठरी में पहुँचकर उसने दोनों की पाँत बालक के सामने सजा दी। उनकी सुगंध से बालक के गले में एक तरावट पहुँची। वह मुस्कराने लगा।

Q.2 जीव अस्तित्व–रक्षा के लिए शाकाहारी से मांसाहारी और मांसाहारी से शाकाहारी बनते रहे हैं। इतना ही नहीं, वे जलचर से थलचर और नभचर तक बन गये। जो जीव स्थिति–अनुकूल व्यवहार नहीं अपना सके उनका अस्तित्व मिट गया। उनके प्रस्तर पंजर संग्रहालयों में मिलेंगे।

अथवा

आज के जमाने में तो गुनाहगार अपने को साफ बचाकर ले जाते हैं। लाखों हजम करके मूंछों पर ताव देते घूमते हैं। फाइलों की फाइलें गायब करवा देते हैं और एक ये हैं कि बिना गड़बड़ किए सजा भोगने जा रहे हैं। बिना अपराध किए भी बाबा अपराधी की भाँति चुपचाप सिर नीचा किए सब सुनते रहे। वह बेचारे कानून के छक्के–पंजे क्या जानें?

Q.3 जगदीश बाबू दूर देश में आए हैं, अकेले हैं। चौक की चहल–पहल, कैफे के शोरगुल में उन्हें लगता है, सबकुछ अपनत्वहीन है। शायद कुछ दिनों रहकर, अभ्यस्त हो जाने पर उन्हें वातावरण में अपनेपन की अनुभूति होने लगे। पर आज तो लगता है यह अपना नहीं, अपनेपन की सीमा से दूर, कितना दूर है!

अथवा

गदल भीतर रोने लगी, परंतु इतने धीरे कि उसकी सिसकी तक मौनी नहीं सुन सका। आज गदल का मन बहा जा रहा था। रात का तीसरा पहर बीत रहा था। मौनी की नाक बज रही थी। गदल ने पूरी शक्ति लगाकर छप्पर का कोना उठाया और साँपिन की तरह उसके नीचे से रेंगकर दूसरी ओर कूद गई।

Q.4 मुझे यह एक भारी दुर्घटना मालूम होती थी। मालूम होता था कि अगर आशुतोष ने चोरी की है तो उसका इतना दोष नहीं है, बल्कि यह हमारे ऊपर बड़ा भारी इल्जाम है। बच्चे में चोरी की आदत भयावह हो सकती है, लेकिन बच्चे के लिए वैसी लाचारी उपस्थित हो आई, यह और भी कहीं भयावह है। यह हमारी आलोचना है। हम उस चोरी से बरी नहीं हो सकते।

अथवा

पूरे साढ़े सात साल के बाद लाहौर से अमृतसर आए थे। हॉकी का मैच देखने का तो बहाना ही था, उन्हें ज्यादा चाव उन घरों और बाजारों को फिर से देखने का था, जो साढ़े सात साल पहले उनके लिए पराए हो गए थे। हर सड़क पर मुसलमानों की कोई न कोई टोली घूमती नजर आ जाती थी। उनकी आँखें इस आग्रह के साथ वहाँ की हर चीज को देख रही थीं, जैसे वह शहर साधारण शहर न होकर एक खास आकर्षण का केन्द्र हो।

Part B

(संख्या 5 से 8 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक भार – 12 अंक एवं शब्द सीमा – 300 शब्द)

(4 X 12 = 48)

Q.1 'नमक का दरोगा' कहानी के आधार पर मुंशी वंशीधर की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

अथवा

'पिक्चर और पोस्टकार्ड' कहानी का सारांश लिखते हुए निर्मल वर्मा की रचनाओं में आधुनिकता बोध को स्पष्ट कीजिए।

Q.2 कथानायिका गदल की चारित्रिक विशेषताओं का सोदाहरण उद्‌घाटन कीजिए।

अथवा

बाल मनोवैज्ञानिकता के आधार पर 'पाजेब' कहानी की समीक्षा कीजिए।

Q.3 कहानी की परिभाषा और स्वरूप को समझाए।

अथवा

हिंदी कहानी के आरंभ का परिचय देते हुए बताइए कि हिंदी की प्रथम कहानी किसे माना जा सकता है?

Q.4 समकालीन कहानी की मुख्य प्रवृत्तियाँ निर्धारित कीजिए।

अथवा

हिंदी के प्रमुख प्रगतिवादी कथाकारों का परिचय दीजिए।

Part C

(प्रत्येक हेतु अंक भार – 08 अंक एवं शब्द सीमा – 300 शब्द) **(2 X 8 = 16)**

Q.1 निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए:

(१) जयशंकर प्रसाद की कहानी कला

(२) मुंशी प्रेमचंद की कहानियों में आदर्शोन्मुख यथार्थवाद

(३) मन्नू भंडारी की प्रमुख कहानियाँ

(४) आँचलिक कहानी

(५) कहानी के तत्व